एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)

द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य

2021-2022

एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-03	: इतिहास लेखन
एम.एच.आई.-06	: भारत में सामाजिक संरचनाओं का युगों से होता हुआ विकास
एम.एच.आई.-08	: भारत में पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास
एम.एच.आई.-09	: भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
एम.एच.आई.-10	: भारत में नगरीकरण
एम.पी.एस.ई.-003	: पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक)
एम.पी.एस.ई.-004	: आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. इतिहास (द्वितीय वर्ष)

सत्रीय कार्य

जुलाई 2021- जनवरी 2022 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रीय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. द्वितीय वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। लेकिन अगर आपने एमपीएससी-003 और एमपीएससी-004 पाठ्यक्रमों का चयन किया है तो आपको कुल मिलाकर 5 सत्रीय कार्य करने होंगे। सभी सत्रीयकार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च 2013 है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूल्यांकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं । सभी सत्रीयकार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योंकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यो को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	30 सितम्बर 2022	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए:

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगे:

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगा:

क) **नियोजन :** सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िएजिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन :** अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि:

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों,
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति :** जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्यजमा करने से पहले इसे साफ.साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या :** इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ.साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई- 03: इतिहास-लेखन

पाठ्यक्रमकोड : एम.एच.आई.-03
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-03/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. कारण-कार्य सम्बन्ध क्या है? किसी ऐतिहासिक घटना की व्याख्या करने के लिए इतिहासकार जिस प्रकार कारण-कार्य सम्बन्ध का उपयोग करते हैं उसकी विवेचना कीजिए। **20**

2. प्राचीन भारत में इतिहास-लेखन की परम्पराओं पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

3. आप मौखिक इतिहास से क्या समझते हैं? मुख्यधारा के इतिहास-लेखन के साथ इसके सम्बन्ध की विवेचना कीजिए। **20**

4. मुगल काल के दौरान इतिहास-लेखन की इन्डो-फारसी परम्परा की मुख्य विशेषताओं का वर्णन कीजिए। **20**

5. प्रत्यक्षवादी परम्परा का निर्माण करने वाले इतिहास-लेखन की विभिन्न परम्पराओं का विश्लेषण कीजिए। **20**

भाग-ख

6. उत्तरआधुनिकतावाद क्या है? इतिहास पर उत्तरआधुनिकतावादी दृष्टिकोणों की विवेचना कीजिए। **20**

7. भारतीय इतिहास पर औपनिवेशिक इतिहास-लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

8. 'सबाल्टर्न' शब्द से आप क्या समझते हैं? भारत में *सबाल्टर्न अध्ययन* के दो चरणों की विवेचना कीजिए। **20**

9. भारतीय पुनर्जागरण पर परस्पर विरोधी दृष्टिकोणों पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए:** **10+10**
    - क) डी.डी. कोसाम्बी और भारतीय इतिहास-लेखन
    - ख) ग्रीक-रोमन इतिहास-लेखन
    - ग) भारत में महिलावादी इतिहास-लेखन
    - घ) *अनाल* स्कूल।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एमएचआई-06
भारत में विभिन्न युगों के दौरान सामाजिक संरचना का विकास

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-06

सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-06 एएसटी/टीएमए/2021-22

कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग- क

1. प्राचीन भारत के इतिहास को लिखने में व्याख्या की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। 20

2. हम प्रारंभिक नवपाषाणकालीन समाजों की संरचना का पुनर्निमाण कैसे करते हैं? 20

3. प्रारम्भिक वैदिक ग्रंथों में प्रमाणित समाज की प्रकृति की विवेचना कीजिए। 20

4. हम भारतीय इतिहास में प्रारम्भिक मध्यकाल की बात क्यों करते हैं? 20

5. प्रारम्भिक तमिल समाज को समझने में संगम साहित्य किस प्रकार हमारी सहायता करता है? 20

भाग- ख

6. भारतीय ग्राम समुदाय पर विभिन्न विचारों की चर्चा कीजिए। क्या आप इरफान हबीब के विचार से सहमत हैं कि भारत में ग्रामीण समुदाय के लिए एक साझा वित्तीय कोष था? 20

7. क्या राजपूतों के उदय की परिघटना की व्याख्या पर बी.डी. चट्टोपाध्याय और एन. ज़ीग्लर एक दूसरे के साथ सहमत हैं? 20

8. सातवीं और बारहवीं शताब्दी के मध्य ग्रामीण समाज और उसकी संस्थाओं की प्रकृति पर चर्चा कीजिए। 20

9. भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। 20

10. क्या जाति औपनिवेशिक आधुनिकता का आविष्कार थी? चर्चा कीजिए। 20

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एमएचआई-08
भारत में पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण का इतिहास

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-08
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-01एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. अनुकूलन प्रकृति के साथ मानवीय संबंधों को समझने की कुंजी है। चर्चा कीजिए। 20

2. भारत की पारिस्थितिकीय विविधता पर एक टिप्पणी लिखिए और इसके महत्व का परीक्षण कीजिए। 20

3. भारत में पर्यावरण इतिहास लेखन परंपराओं की प्रमुख प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए। 20

4. खानाबदोश पशुपालकों की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। बसे हुए समुदायों के साथ उनके संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

5. दक्षिण भारत में कृषि के प्रसार पर एक टिप्पणी लिखिए। 20

भाग- ख

6. वन संसाधनों पर अधिकार के विवाद का एक लंबा इतिहास है, 1870 के वन अधिनियम के विशेष संदर्भ में परीक्षण कीजिए। 20

7. प्रकृति का संरक्षण समय की मांग है। आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

8. औपनिवेशिक पर्यावरण एजेंडा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

9. जैव विविधता के महत्व पर एक नोट लिखिए और इन-सीटू और एक्स-सीटू संरक्षण के बीच अंतर का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

10. विकास के गांधीवादी वैकल्पिक दृष्टिकोण के महत्व का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। चिपको आंदोलन पर इसका क्या प्रभाव पड़ा? 20

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एम.एच.आई- 09
भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन

पाठ्यक्रमकोड : एम.एच.आई-09
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई-09/
ए.एस.टी./टी.एम.ए./2021-22
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. राष्ट्र और राष्ट्रवाद के उदय के बारे में आधुनिकतावादी और गैर-आधुनिकतावादी सिद्धान्तों की तुलना कीजिए। **20**

2. आर्थिक राष्ट्रवाद की धारणा की व्याख्या कीजिए। इसके आरम्भिक सिद्धान्तकारों के मुख्य विचारों की चर्चा कीजिए। **20**

3. 1920 और 1930 के दशकों के दौरान क्रान्तिकारी राष्ट्रवादियों की विचारधाओं और गतिविधियों का वर्णन कीजिए। **20**

4. स्वदेशी आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

5. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए:** **10+10**
   क) भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन के बारे में सबाल्टर्न दृष्टिकोण
   ख) औपनिवेशिक भारत में सांस्कृतिक-विचारधारात्मक प्रतिरोध की सीमाएँ
   ग) महात्मा गांधी का राजनीतिक दर्शन
   घ) 1937-39 के दौरान कांग्रेस मंत्रिमण्डलों की उपलब्धियाँ

भाग-ख

6. भारत छोड़ो आन्दोलन की पृष्ठभूमि की विवेचना कीजिए। भारत छोड़ो आन्दोलन का क्या प्रभाव पड़ा? **20**

7. 1920 और 1930 के दशकों के दौरान यू.पी. और बिहार में राष्ट्रवाद और किसान आन्दोलन के बीच सम्बन्ध की चर्चा कीजिए। **20**

8. जन लामबन्दी का गांधीवादी तरीका किस प्रकार महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में लाने में सफल रहा? **20**

9. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की विरासत की मुख्य शक्तियों और कमजोरियों का विश्लेषण कीजिए। **20**

10. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए:** **10+10**
    क) संविधान सभा की भूमिका, 1946-49
    ख) पूना समझौता, 1932
    ग) आरम्भिक चरण में राष्ट्रवादी और मजदूर
    घ) पाकिस्तान की मांग और उसके परिणाम

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
एमएचआई-10
भारत में नगरीकरण

पाठ्यक्रम कोडः एमएचआई-10
सत्रीय कार्य कोडः एमएचआई-01एएसटी/टीएमए/2021-22
कुल अंकः 100

नोटः किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग क

1. मध्यकालीन नगरों के अध्ययन संबंधी दृष्टिकोण क्या हैं? 20

2. आप जीवन-निर्वाह और गैर-जीवन-निर्वाह की अर्थव्यवस्था से क्या समझते हैं। हडप्पाई सभ्यता के संदर्भ में व्याख्या कीजिए। 20

3. बसावट के पैटर्न के अध्ययन से आप क्या समझते हैं? प्रारम्भिक ऐतिहासिक नगरों के संदर्भ में किए गए उत्खननों और सर्वेक्षणों की चर्चा कीजिए। 20

4. नगरीय पतन संबंधी सिद्धांत क्या है? क्या आप इस मत से सहमत हैं कि प्रारम्भिक मध्यकाल में नगरीय केंद्रों का पतन भू-अनुदानों के प्रचुरोद्भाव के कारण हुआ? 20

5. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः **10+10**

(i) हडप्पाई नगरों की संरचना
(ii) वैदिक साहित्य में आवास की प्रारम्भिक श्रेणियाँ
(iii) सल्तनत काल में नगरों का विकास
(iv) 15वीं शताब्दी में क्षेत्रीय राजधानी नगरों की प्रकृति

भाग- ख

6. मुगल राजधानी नगरों के रूप में आगरा, फतहपुर सीकरी तथा शाहजहाँनाबाद की तुलना कीजिए। 20

7. 17-18वीं शताब्दियों में सूरत नगर के विकास का परीक्षण कीजिए। सूरत की नगरीय सामाजिक पृष्ठभूमि का पैटर्न क्या था? 20

8. ब्रिटिश प्रशासन ने नगरों को ब्लैक और व्हाइट नगरों (Black towns; White towns) में क्यों बाँटा? इन क्षेत्रों में किस नवीन प्रकार के नगरीय स्थलों का निर्माण किया गया? 20

9. स्वातंत्रोत्तर कालीन दशकों में भारत में तत्काल कौन से नगरीय दबाव उत्पन्न हुए और उनका सामना किस प्रकार किया गया? 20

10. निम्न में से किन्हीं दो पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिएः 10 + 10

(i) एक औद्योगिक नगर के रूप में बीदर
(ii) कच्छ-गुजरात क्षेत्र में नगर
(iii) औपनिवेशिक काल में हिल स्टेशन
(iv) आधुनिकता के स्थल में रूप में नगर

पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक) (एमपीएसई-003)
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई-003/2021-22
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग - 1

1. राजनीतिक चिंतन और राजनीति विज्ञान के मध्य अंतर बताइये।

2. प्लेटो की कार्यविधि की चर्चा कीजिए।

3. अरस्तु के न्याय सिद्धान्त पर एक लेख लिखिए।

4. राज्य, संपत्ति, युद्ध और दासता पर संत ऑगस्टीन के विचार क्या हैं? जाँच कीजिए।

5. मैक्यावली के अभ्युदय के सिद्धान्त को विस्तारपूर्वक बताइये।

भाग - 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) प्राकृतिक अवस्था और प्राकृतिक अधिकारों पर थॉमस हॉब्स
   ख) सहमति, प्रतिरोध और सहनशीलता पर जॉन लॉक

7. क) रूसो की नागरिक समाज की समालोचना
   ख) एडमण्ड बर्क की प्राकृतिक अधिकारों और सामाजिक समझौते की समालोचना

8. क) मानव प्रकृति का इमैनुअल कॉंट का पराभौतिक-आदर्शवादी दृष्टिकोण
   ख) बैंथम की ''द पैनोप्टिकन'' ("The Panopticon")

9. क) महिलाओं के लिए समान अधिकारों पर जे. एस. मिल
   ख) हेगेल का ऐतिहासिक दर्शन

10. क) मार्क्स का अलगाव का सिद्धान्त
    ख) एक साम्यवादी समाज की मार्क्स की परिकल्पना

आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन (एमपीएसई-004)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई-004/2021-22

पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग - 1

1. मध्यकालीन भारत में राज्य और संप्रभुता की प्रकृति की चर्चा करें।
2. राष्ट्रवाद और औपनिवेशिक आधुनिकीकरण पर एक निबंध लिखें।
3. 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ में भारत में सुधारवादी चिंतन के प्रकारों का परीक्षण कीजिए।
4. राष्ट्रवाद पर बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के विचारों को विस्तार से बतायें।
5. राष्ट्रवादी आंदोलन मे गरमदलीय विचारधारा के महत्व का वर्णन कीजिए।

भाग - 2

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लधु टिप्पणियाँ लिखिए।

6. क) सामाजिक परिवर्तन पर स्वामी विवेकानन्द
   ख) सविनय अवज्ञा (Passive resistance) पर श्री अरोबिंदो

7. क) हिंदू राष्ट्र और भारतीय राज्य पर वी. डी. सावरकर
   ख) सामाजिक संगठनीकरण पर एम.एस. गोलवरकर

8. क) राष्ट्रवाद पर मौलाना मदूदी के विचार
   ख) आदिवासी पहचान के विजेता के रूप में जयपाल सिंह

9. क) धर्म और राजनीति के मध्य संबंधों पर गांधी के विचार
   ख) जवाहरलाल नेहरू का प्रकृति का सिद्धान्त

10. क) कारण और अधिकारों पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर
    ख) रवींद्रनाथ टैगोर के गाँधी से मतभेद